ईसु को जलम

THE BIRTH OF JESUS

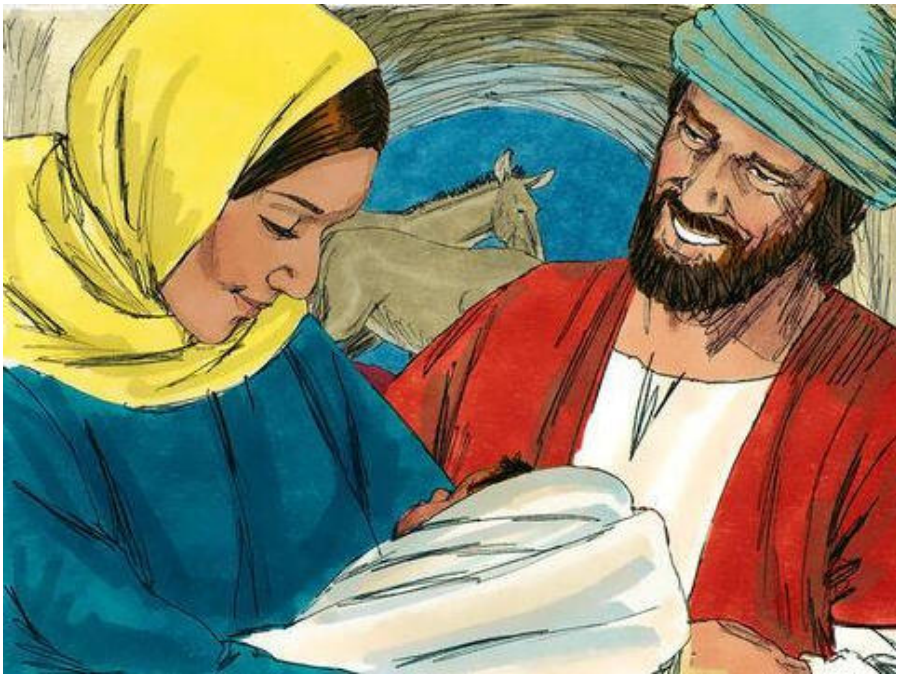

Merwari

ईसु को जलम

THE BIRTH OF JESUS

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-5)

प्रकाशनः-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु मसीह के जन्म के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

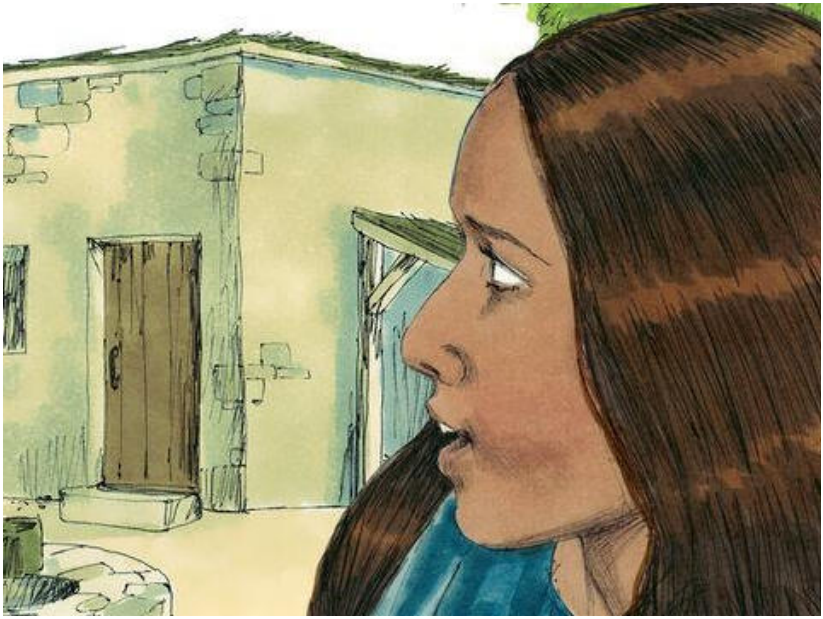

यहुदा देस म मरियम नाऊँ की
एक कुंवारी छोरी हि।
जीकी हगाई युसुफ नाऊँ का एक
छोरा ऊँ ही ई।
एक बार एक हरगदुत बिकअ
कनअ आयो।

बा हरगदूत न दैकर जोरकि
डरपगी।
हरगदुत कियो, “डरपे मत,
परमेसर कि मेरबानि थारे परँ ही
ए।
थारे छोर-छोरी लाग जाई ऐर तु
एक टाबर न जलमई।

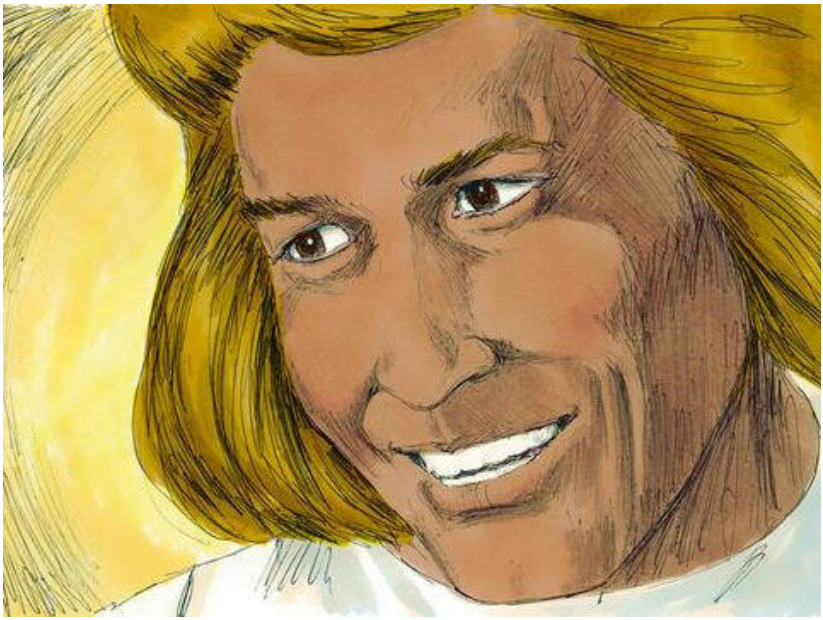

तु बिको नाऊँ ईसु राक्जये।
बो मोटो मान्यो जाई, ऐर परमेसर
को पूत केवाई।
मरियम बोलि अशान चान हे, मूँ
तो कुँवारी हूँ।

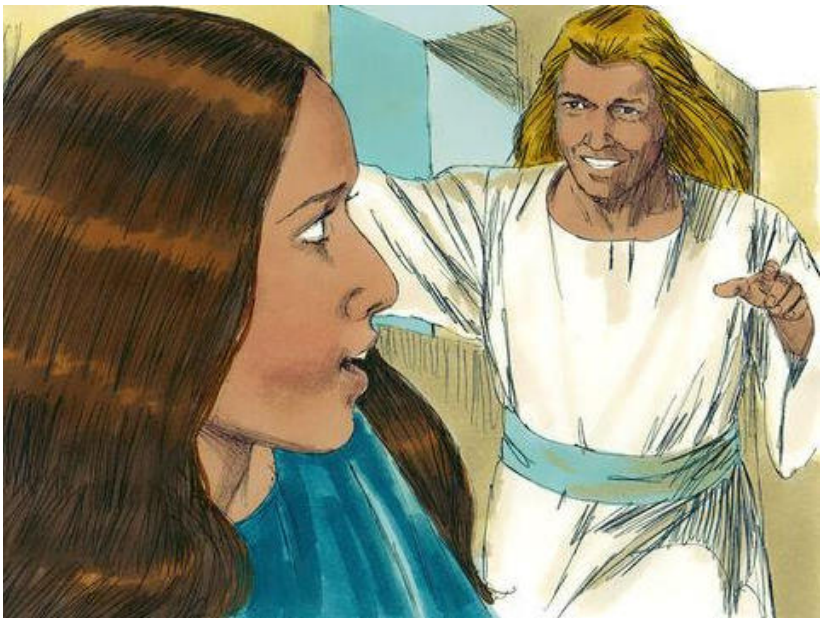

फेर हरगदुत कियो पुवितर
आत्मा थारा परँ उतेरी।
ऐर परमेसर कि तागत थारा ऊपरे
वेई। फेर मरियम कियो, थे ज्यान
केरिया हो ब्यान ई हे जाबा केती
मूँ तियार हूँ।

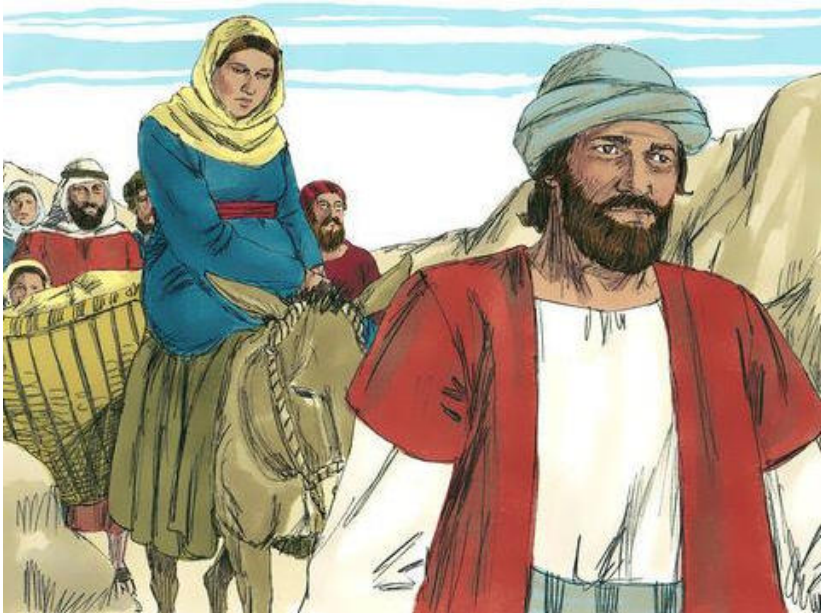

थोड़ाक दनँ पच मरियम ऐर युसुफ नाऊँ लिखाबा बेतलेम गीया। बि टेम मरियम पेट ऊँ ही। ऐर बटे बीका जणबा का दन पूरा हेज्या हा।

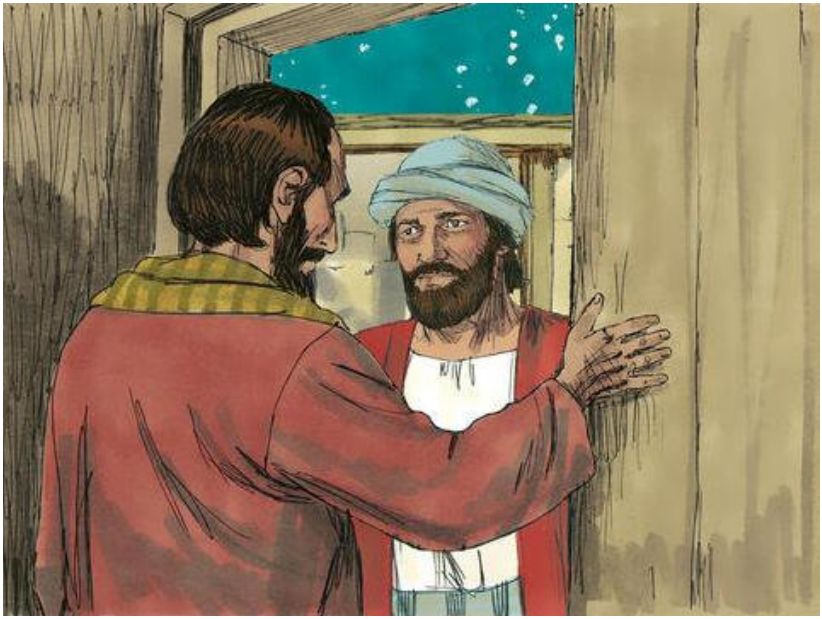

पण ब्यानअ बटँ ठेरबा केति कोई बी ठोड़ न मलई। जिऊँ बे दोञ्यु एक बाड़ा म गिया। बटे मरियम एक टाबर न जलम दियो।

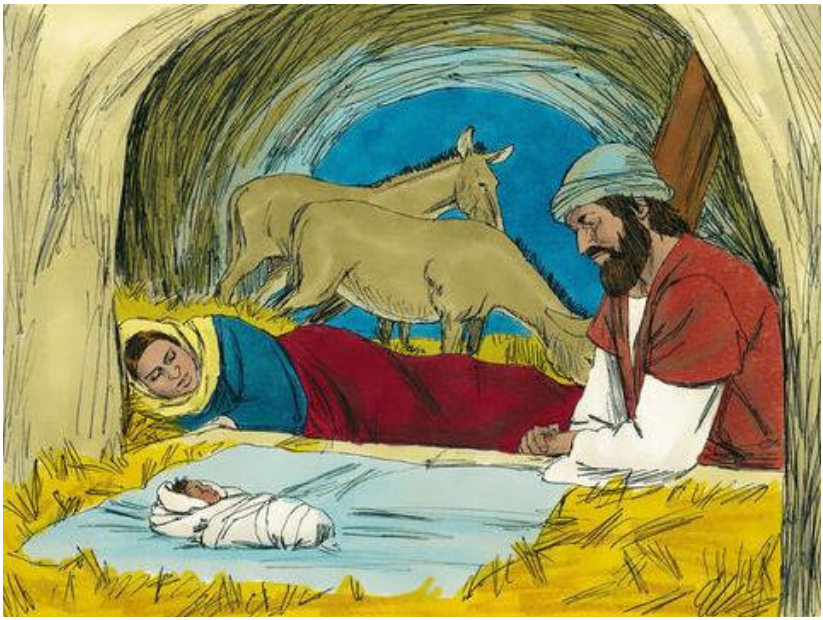

ऐर बीनअ एक गाबा म लपेटअर ठाण म रक दियो। बिई देस म गुवाळ रान्नअ खुदका ढाँढँ कि रुकाळी राकर्या हा। बि टेम ई हरगदूत बे गुवाळँ कनअ आया।

हरगदूत न देकअर गुवाळ जोरका डरपज्या। हरगदूत कियो, “डरपो मत, थाकि खातर घणी खुसी का हमच्यार हे।” आज थाँकी खातर एक छुड़ाबाळो जलम्यो हे, बो ई मसीह परबु हे।

थे बिनअ गाबा म लपटचोड़ो ठाण म रच्योड़ो दैकओ। पच गुवाळ नरा हारा हरगदूतँ न परमेसर की बडाई करतोड़ा देच्या।

पच हारा हरगदूत बटऊँ पराज्या।

ओ देकबा केती बे गुवाळ बेतलेम म गिया। बे बटे बि ई टाबर न ठाण म रच्योड़ो देच्या । अशान देकर गुवाळँ बी परमेसर की बडाई करतोडा पाचा पराज्या।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®